Postal Registration No. CHD/0107/2021-2023 Posted at MBU Chandigarh RNI No. CHABIL/2000/3469

हिन्दी/अंग्रेजी मासिक पत्रिका

दीन बन्धु सर छोटूराम

जाट लहर

जाट सभा, चण्डीगढ़ के सौजन्य से प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 05 30 जून, 2021 मूल्य 5 रुपये

प्रधान की कलम से

डॉ० एम.एस. मलिक, आई.पी.एस., सेवा निवृति उपरांत पैत्रिक गांव श्यामलो कलां, जिला जीन्द (हरियाणा) में भव्य स्वागत

पूर्व डीजीपी डॉ० महेन्द्र सिंह मलिक ने कहा कि वे ग्रामीणों के हितों के लिए सामाजिक, आर्थिक एवं न्यायिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। वे ग्रामीणों के सहयोग के लिए कभी भी पीछे नहीं हटेंगे। पूर्व डीजीपी उनकी सेवानिवृति पर गांव के राजकीय सीनियर सेकंडरी स्कूल में शुक्रवार को आयोजित अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। पूर्व डीजीपी महेन्द्र सिंह मलिक ने कहा कि उनके लिए चाहे वो किसी भी पद पर रहे हों ग्रामीणों के प्रति सम्मान कभी कम नहीं रहा। उन्होंने सक्रिय राजनीति में आने की कोई भी खुल कर बात नहीं कही, लेकिन उन्होंने ग्रामीणों से पहले की भांति दिए गए सहयोग की मांग की। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों व आसपास के ग्रामीणों ने उनका वो सहयोग किया है, जिसे वे कभी भुला नहीं पाएंगे। पूर्व डीजीपी की छोटी पुत्री सारिका मलिक ने कहा कि जो ग्रामीणों ने उनके परिवार को प्यार दिया है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने अपने पिता के लिए आने वाले समय में ग्रामीणों से सहयोग की भी मांग की। इस अवसर पर पूर्व डीजीपी ने मानव अधिकार सुरक्षा अभियान की भी गांव से शुरूआत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस मंच से लोगों को सामाजिक न्याय व अधिकार दिलाए जाएंगे।

इससे पहले पूर्व डीजीपी को जीन्द से ग्रामीण वाहनों के काफिले व बैंडबाजे के साथ अभिनंदन समारोह सिलि तक लाया गया। शामलो बाराह तपा की ओर से 95 वर्षीय बरपाराम मलिक ने पूर्व डीजीपी को पगड़ी पहना कर सम्मानित किया। गांव के सरपंच रघुवीर चौहान ने भी गांव की ओर से पूर्व डीजीपी को सम्मानित किया। इस अवसर पर इनेलो नेत्री कृष्णा मलिक, प्रतापदेश खेड़ा, आनंद लाठर, रामफल सिंह, महिपाल मलिक आदि हजारों लोग मौजूद थे।

सरकार की आलोचना की – पूर्व डीजीपी महेन्द्र सिंह मलिक ने अभिनंदन समारोह में बोलते हुए मौजूदा कांग्रेस सरकार के कुछ कार्यों की खुल कर आलोचना की। पूर्व डीजीपी ने कहा कि युवकों को रोजगार मिले इसके लिए उन्होंने डीजीपी रहते औद्योगिक सुरक्षाबल गठन करवाया था, जिसमें करीब 10 हजार युवकों को रोजगार भी मिला था, लेकिन सरकार बदलते ही वर्तमान सरकार ने 10 हजार युवकों की रोटी छीनने का कार्य किया। इसी प्रकार महिलाओं के लिए उन्होंने पुलिस भर्तियों में 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती को अनिवार्य किया था, परन्तु इस सरकार ने उसको भी बदल दिया और अब केन्द्र सरकार उसको पुनः बहाल करने की बात कह रही है।

गांव में बनाया जाएगा खेल स्टेडियम – पूर्व डीजीपी महेन्द्र सिंह मलिक ने अपने पैतृक गांव शामलो कलां में खेल स्टेडियम बनाने की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि खेलों को मौजूदा समय में बढ़ावा देना अति आवश्यक हैं। इसके लिए वे अपने गांव में खेल स्टेडियम बनाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे 11 सदस्यीय कमेटी का गठन कर खेल स्टेडियम का निर्माण शुरू कर दें। पैसा वे उपलब्ध करवाएंगे। इस फेसले पर ग्रामीणों ने पूर्व डीजीपी की सराहना की।

जींद : पूर्व डीजीपी हरियाणा महेन्द्र सिंह मलिक को शामलो कलां गांव में जींद के बुलबुल रेस्टोरेंट के सामने से अभिनंदन समारोह में ले जाते उनके समर्थक

जुलाना : शामलो कलां गांव में पूर्व डीजीपी महेन्द्र सिंह मलिक के अभिनंदन समारोह में उपस्थित ग्रामीणवासी